(c) the loss of foreign exchange to the country on this account; and

(d) what measures, if any, Government propose to take in putting stricter restriction on their import?

**The Minister of Commerce (Shri Kanungo):** (a) No, Sir.

(b) and (c). A statement showing the quantity and value of cigarettes imported into India during the last 13 years is laid on the Table of the Lok Sabha. [*See* Appendix III, annexure No. 58].

(d) The import of cigarettes is already banned since January 1957. Import licences have, however, been issued on an *ad hoc* basis for very limited quantities, primarily under the Tourists Promotion Scheme.

**Kashmir in U.N. Maps**

*962. **Shri Ram Krishan Gupta:**
**Shrimati Renu Chakravartty:**
**Shri Indrajit Gupta:**
**Shri H. N. Mukerjee:**
**Shri D. C. Sharma:**

Will the **Prime Minister** be pleased to refer to the reply given to Starred Question No. 650 on the 22nd August, 1960 and state:

(a) whether Government have since received reply from the United Nations Secretariat regarding the wrong delineation of Kashmir's position on the United Nations map; and

(b) if so, the nature of the reply received?

**The Parliamentary Secretary to the Minister of External Affairs (Shri Sadath Ali Khan):** (a) and (b). No, Sir. A further self-contained letter, inviting the Secretary-General's attention to earlier communications addressed to him on this subject and asking him for rectification of specific maps and publications, was sent to him on the 26th August, 1960. A reply is still awaited.

**ऐनकों के शीशे का कारखाना**

*९६३. **श्री भक्त दर्शन :**
**श्री इन्द्रजीत गुप्त :**
**श्रीमती इला पालचौधरी ।**
**श्री विद्याचरण शुक्ल :**
**श्री राम कृष्ण गुप्त :**
**पंडित द्वा० ना० तिवारी :**
**श्री न० म० देव :**

**क्या वाणिज्य तथा उद्योग** मंत्री ४ अगस्त, १९६० के उत्तर के सम्बन्ध में यह बताने की कृपा करेंगे कि सोवियत रूस की सहायता से ऐनकों के कांच का कारखाना खोलने की दिशा में अब तक क्या प्रगति हुई है

**उद्योग मंत्री (श्री मनुभाई शाह) :** सभा की मेज़ पर एक विवरण रखा जाता है ।

**विवरण**

सोवियत अधिकारियों के पास से पुनरीरीक्षित विस्तृत प्रायोजना रिपोर्ट अगले छः सात महीनों में मिल जाने की आशा है ।

११ दिसम्बर, १९५९ को कोयला खान तथा दूरबीनों और ऐनकों के कांच बनाने की प्रायोजनाओं के लिये निश्चित २८०.७ एकड़ भूमि दुर्गापुर उद्योग बोर्ड ने निगम को निःशुल्क दे दी थी । दुर्गापुर उद्योग बोर्ड कोयला खनन तथा ऐनकों के कांच की प्रायोजनाओं इन दोनों की बस्ती बसाने के लिए १५०० एकड भूमि प्राप्त करने का प्रबन्ध भी कर रहा है । जल सम्भरण के लिये प्रबन्ध करने, जिसमें कारखाने तथा प्रायोजनाओं के लिए बस्ती बसाना भी शामिल है, के प्रश्न पर दुर्गापुर उद्योग बोर्ड से बातचीत की जा रही है जो अपनी जल सम्भरण की योजना को बढ़ाने पर विचार कर रहा है । कारखाने तथा बस्ती दोनों के लिये जितनी बिजली की आवश्यकता पड़ेगी उसके बारे में दुर्गापुर उद्योग बोर्ड ने आश्वासन दे दिया है । दुर्गापुर उद्योग बोर्ड आपस में तय की गयी शर्तों के अनुसार प्रायोजना के लिये आवश्यक साइडिंग की व्यवस्था करेगा ।